

म्र ाघ-रस

EXTRAORDINARY

भाग II--- लव्ह 3--इवस्तव्ह (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली, शनिवार, मई 30, 1970/ज्येट्ट 9, 1892

No. 2001

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 30, 1970/JYAISTHA 9, 1892

इस भाग में जिल्ल पुष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th May 1970

S.O. 1980.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Central India Commercial Exchange Limited, Gwalior, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 2nd June, 1970 to the 1st June, 1971, both days inclusive, in respect of forward contracts in linseed.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(7)-IT/70.]

R. K. TALWAR, Jt. Secv.

भ्रौद्योगिक, विकास भ्रांतरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय

(स्रांतरिक व्यातार विमाग) स्रिश्तूवना

नई दिल्ली, 30 मई, 1970

का॰ गा॰ 1980. — केन्द्रीय सरकार श्रिप्रम संविदा (विनियमन) श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दी गई मान्यता के नवीकरण के लिए दी सेन्ट्रल इंडिया कर्माणयल एक्सचेंज लिमिटेड, ग्वालियर, द्वारा श्रावेदन पर, वायदा बाजार श्रायोग से परामर्श करके विचार कर लेने पर श्रीर यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार श्रीर लोक हित में भी होगा, उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रलसी के श्रिप्रम संविदाओं की बाबत उक्त एक्सचेंज को श्रीर श्रागे एक वर्ष की कालावधि के लिए 2 जून, 1970 से 1 जून, 1971 तक, जिस में ये दोनों दिन सम्मिलित हैं एतक्दारा मान्यता प्रदान करती है।

 एसदृद्वारा दी गई मान्यता इस शर्त के श्रध्यधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का पालन करेगा जो वायदा बाजार श्रायोग द्वारा समय ममय पर दिये आएं।

> [सं० फा० 12(7)—श्राई०टी०/70] श्रार० के० तलवार, संयुक्त सचिव ।